10 जनवरी, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में उमड़ी भारी भीड़

आज पुस्तक मेले में पुस्तक प्रेमियों की भीड़ को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो सभी इस इंतज़ार में थे कि रविवार आए और वे पुस्तक मेले का आनंद उठाने प्रगति मैदान में आएँ। मेट्रो स्टेशनों पर मेले की टिकट खरीदने के लिए लोगों की लंबी कतारें देखी जा सकती थीं। मेले में सभी आयु–वर्ग के लोग अपनी पसंदीदा पुस्तकें खरीदते तथा मेले में आयोजित हो रही सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते नज़र आए। एक लाख से अधिक पुस्तक प्रेमी आज मेला देखने पहुँचे।

थीम पैवेलियन

आज हॉल सं. 7 में बने थीम पैवेलियन में 'विविध भाषाएँ, एक राष्ट्र' विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री उपस्थित थे। उनका मत था कि भारत की विभिन्न भाषाएँ देश को सशक्त तथा लोगों को एकजुट करती हैं। इस अवसर पर एनबीटी के अध्यक्ष, श्री बल्देव भाई शर्मा; दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. के. एन. तिवारी तथा नियोगी बुक्स के श्री निर्मल कांति भट्टाचार्जी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

थीम मंडप पर आयोजित अन्य कार्यक्रम जिनका पुस्तक प्रेमियों ने अत्यंत आनंद उठाया– हरिदंर पतंगा तथा उनकी मंडली द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीत, मीना ठाकुर तथा उनकी मंडली द्वारा प्रस्तुत भारतीय शास्त्रीय नृत्य, कुचिपुड़ी तथा लोकनाथ दास व उनकी मंडली द्वारा प्रस्तुत मयूरभंज छऊ।

बाल मंडप

हॉल सं. 14 में बने बाल मंडप में 'जुगलबंदी' नाम से एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात लेखक, दास बेनहूर तथा चित्रकार, विकी आर्य ने बच्चों के साथ बातचीत की। बच्चों के साथ एक कलाकार के रूप में अपने अनुभवों को साझा करते हुए विकी आर्य ने कहा, "मानस दर्शन एक तरह की सार्वभौमिक भाषा है, मेरे कल्पनात्मक कौशल के लिए प्रकृति प्रेरणास्रोत रही है।" सत्र के दौरान दास बेनहूर ने एक शैतान की कहानी सुनाई जो डरावना दिखाई देता है परंतु दिल का बहुत अच्छा है। इसी सत्र में विकी आर्य ने कहानी के सचित्र रूप का प्रदर्शन भी किया। श्री दास ने कहा कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास,

भारत, विभिन्न बाल गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने में सहायता कर रहा है।

साहित्यिक कार्यक्रम

आज लेखक मंच पर निवेदिता श्रीवास्तव द्वारा संपादित साहित्यिक पुस्तक 'काव्य' का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया जिसमें विजय राज श्रीवास्तव, नीलिमा शर्मा, मुकेश सिंह, आभा खरे आदि ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

आज मेले में हॉल सं. 8 में बने **साहित्य मंच** पर *संस्कृत साहित्य* पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर वक्ता के रूप में डॉ. चाँद किरण सलूजा, डॉ. जीतराम भट्ट, डॉ. चंद्र भूषण झा आदि उपस्थित थे। यहाँ उपस्थित वक्ताओं का यह मत था कि संस्कृत एक प्राचीन भाषा है तथा यह हमारे वेदों की भाषा है।

आज लेखक मंच पर *कन्फ्यूशियस सूक्ति संग्रह, जनता का सचिव* तथा *हिंदी–चीनी वार्तालाप* पुस्तकों का विमोचन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों के रूप में उपाध्यक्ष, चाइना पब्लिशिंग ग्रुप, श्री ली यन तथा संसद सदस्य, श्री डी.पी. त्रिपाठी उपस्थित थे। इस अवसर पर अन्य वक्ता थे – जून्गुआ बुक कंपनी के जू किन्हुआ; संपादक, चीन अनुवाद प्रकाशन कंपनी, श्री जेंग गाओली; अपर सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, श्री सुभाष शर्मा; भारतीय ज्ञानपीठ के निदेशक, श्री लीलाधर मंडलोइ, तथा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. वी. आर. दीपक। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार, श्री रवीन्द्र त्रिपाठी द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम में सत्र की अध्यक्षता एनबीटी के अध्यक्ष, श्री बल्देव भाई शर्मा द्वारा की गई।

हॉल सं. 8 में इमाम अहमद रज़ा एकेडमी द्वारा 'सूफीवाद' पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर श्री शुजात अली क़ादरी तथा श्री अख़लाक उस्मानी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर उन्होंने आतंकवाद पर चर्चा करते हुए कहा कि हमें प्रेम, शांति, सहिष्णुता तथा सद्भाव बनाए रखना चाहिए।